विश्व में बोली जाने वाली भाषाएं : एक दृष्टि

प्रदीप कुमार उनियाल
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की।

भाषा अंग्रेजी शब्द 'LANGUAGE' का हिन्दी रूपान्तरण है। यह लैटिन भाषा के लिंगुआ (Lingua) शब्द से बना है। जिसका अर्थ है 'जीभ' (Tongue)। भाषा में जिह्वा का प्रयोग होता है। सामान्य अर्थ में भाषा का आशय उस सामान्य माध्यम से है जिसके द्वारा प्रत्येक मानव अपने विचारों एवं भावनाओं को अभिव्यक्त करता है। अतः भाषा बोले जाने वाले शब्दों की एक संगठित प्रणाली है जिसके द्वारा लोग परस्पर समझदारी के साथ सम्पर्क स्थापित करते हैं।

विभिन्न भाषा वैज्ञानिकों ने भाषा को परिभाषित करते हुए कहा है कि भाषा मुँह से उच्चारित संकेतों की वह व्यवस्था है जिसके द्वारा एक समूह के सदस्य सहयोग तथा अन्तक्रिया करते हैं। इसी से सीखने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाता है। इसी से जीवन की विधि विशेष की निरन्तरता एवं परिवर्तनशीलता दोनों ही प्राप्त होती हैं।

भाषा संस्कृति का एक महत्वपूर्ण तत्व है। भाषा के बिना किसी भी संस्कृति का अस्तित्व नहीं रह सकता है। इसी संदर्भ में मानवशास्त्री क्रोबर का मानना है कि "संस्कृति का आरंभ तब हुआ जब भाषा का अस्तित्व था और फिर इसके पश्चात संस्कृति एवं भाषा दोनों एक दूसरे के विकास पूरक बने। समाज में भाषा के माध्यम से ही संस्कृति को अधिक प्रभावशाली बनाया गया है। इसके साथ ही भाषा में प्रयुक्त किये जाने वाले शब्द एवं वाक्य संस्कृति के प्रतीकों के रूप में कार्य करते हैं। भाषा एवं लिपि एक–दूसरे से भिन्न होती है। जैसे–हिन्दी एक भाषा है तथा देवनागरी इसकी लिपि है। यही नहीं हिन्दी, मराठी एवं अन्य भाषाएं भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती हैं। लेकिन हिन्दी एवं मराठी अलग–अलग भाषाएं हैं। इसी प्रकार भाषा एवं बोली में अंतर होता है। बोली गयी भाषा में परिवर्तनशीलता उसके उच्चारण से होती है। यही बोली कहलाती है। एक भाषा की कई प्रकार की बोलियां होती हैं। बोली ही किसी प्रदेश अथवा समूह में विशिष्ट स्थान रखती है। और उसी भाषा के अन्य स्वरूपों के बोलने वालों द्वारा यह आसानी से समझी जाती है। उदाहरण के लिए भारत में हिंदी भाषा की सैकड़ों बोलियां विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों द्वारा बोली जाती है। सामान्य रूप से हिन्दी भाषा की एक बोली बोलने वाले व्यक्ति हिन्दी भाषा की दूसरी बोली आसानी से समझ लेते हैं।

अतः बोली किसी प्रदेश अथवा समूह के लिए विशिष्ट होती है। किन्तु फिर भी उसी भाषा के अन्य स्वरूपों के बोलने वालों द्वारा यह समझी जाती है।

वर्तमान में विश्व की कुल 7,102 भाषाएं हैं जो विश्व के विभिन्न भागों में प्रचलित हैं। इसमें से कुछ भाषाओं को बोलने वालों की संख्या 10 करोड़ से अधिक है। कुछ भाषाएं ऐसी भी हैं जिनके बोलने वालों की संख्या कुछ हजार तक ही है। विश्व की दो हजार भाषाएं ऐसी हैं जिनको बोलने वालों की संख्या एक हजार से कम है। अतः जनसंख्या क्रमशः कम होती जाती है।

विश्व की सर्वप्रमुख बोली जाने वाली भाषाओं में मंडारिन (चायनीज), स्पेनिश, अंग्रेजी, हिन्दी, अरेबिक पुर्तगीज, बंगाली, रसियन, जापानीज, पंजाबी प्रमुख हैं। जर्मन, कोरियन, फ्रेंच, तेलुगु, मराठी, टर्किश, तमिल, वियतनामीज, ऊर्दू, इटालियन, मलय तथा फारसी विश्व में बोली जाने वाली अन्य भाषाएं हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ में मंडारिन, अंग्रेजी, फ्रेंच, अरेबिक स्पेनिश तथा रसियन नामक छः भाषाओं को राजभाषा (Official Language) के रूप में मान्य किया गया है।

विश्व की प्रमुख भाषाएं एवं उन्हें बोलने वाले व्यक्तियों की संख्या (लगभग)

भाषा का नाम	बोलने वालों की सं. (करोड़ में)
1. मंडारिम	120.0
2. स्पेनिश	41.4
3. अंग्रेजी	33.5
4. हिंदी	31.0
5. अरेबिक	29.5
6. पुर्तगीज	21.5
7. बंगाली	20.5
8. रसियन	1.67
9. जापनीज	1.25
10. पंजाबी	1.02

1. मंडारिन (चायनीज)–मंडारिन विश्व की सर्वाधिक बोली आनी वाली भाषा है। विश्व में कुल जनसंख्या का 14.4 प्रतिशत यानी 120.0 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा है। यह भाषा प्रमुख रूप से चीन के अधिकांश उत्तरी एवं दक्षिणी–पश्चिमी चीन में बोली जाती है। चीन की कुल जनसंख्या में 65 प्रतिशत जनसंख्या मंडारिन मातृ भाषा के रूप में बोलते हैं। मंडारिन भाषा को आधुनिक मानक चीनी आधार पर गुयोयू (Guoyo) या पुटोन्गुहा (Putonghua) नाम से जाना जाता है।

2. स्पेनिश (Spanish)–इण्डो यूरोपियन परिवार की इस भाषा को बोलने वालो की संख्या में पिछले 15 वर्षों में काफी तेजी से वृद्धि हुई है। जिसके फलस्वरूप स्पेनिश भाषा बोलने वालों की संख्या अंग्रेजी बोलने वालो से काफी अधिक हो चुकी है। स्पेन के अलावा यह विश्व के 20 अन्य देशों में लेटिन अमेरिका सहित स्पेनिश राजभाषा के रूप में प्रयोग की जाती है। इन देशों में मैक्सिको, अर्जेन्टाइना, चिली, कोलम्बिया, वेनेजुएला, यूराग्वे, बोलबिया, क्यूबा, इक्वेडोर, ग्वाटेमाला, होन्डुरस, पेरू, निकारागुआ, पनामा, अल साल्वाडोर, डोमिनीकन गणराज्य, कोस्टारिका एवं इक्वेटोरियल गिनी सम्मिलित हैं। इस भाषा का 16वीं शताब्दी के प्रारंभ में स्पेन के शासकों द्वारा प्रमुख रूप से लेटिन अमेरिका के उक्त देशों में स्थापित किए अपने उपनिवेशों में ले जाकर स्थापित किया गया। स्पेनिश विश्व की 08% जनसंख्या की मातृभाषा है। संयुक्त राज्य अमेरिका में यह भाषा द्वितीयक भाषा के रूप में बोली जाने वाली लोकप्रिय भाषा है। इसके अलावा पुर्तगाल एवं ब्राजील में स्पेनिश भाषा काफी लोकप्रिय भाषा है।

3. अंग्रेजी (English)–इण्डोयूरोपीय परिवार की यह भाषा मूलरूप से ग्रेट ब्रिटेन की भाषा है। जो विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में मेंडारिन एवं स्पेनिश के बाद तीसरा स्थान रखती है। संयुक्त राष्ट्र एवं यूरोपियन संघ में अंग्रेजी भाषा को राज–भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। वर्तमान में अंग्रेजी विश्व के 60 राष्ट्रों की भाषा है। यह भाषा प्रमुख रूप से ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया, स्वीडन आयरलैंड एवं न्यूजीलैण्ड में अधिकाधिक व्यक्तियों द्वारा बोली जाती है। इसके अलावा कैरिबियन देशों अफ्रीका महाद्वीप तथा दक्षिण ऐशियाई देशों में भी अंग्रेजी का प्रचलन है। विश्व के 85 प्रतिशत लोग अंग्रेजी बोलते हैं। इनमें ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, स्वीडन डेनमार्क, नीदरलैण्ड, नार्वे, आयरलैण्ड, इजरायल, गुयाना, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, सिएरा लियोन, जमाइका, माल्टा, सूरीनाम एवं ट्रिनीडाड–टोबेको आदि देशों में प्रमुख रूप से बोली जाती है।

4. हिन्दी (Hindi)–विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में हिन्दी का चतुर्थ स्थान है। यह इण्डो यूरोपियन परिवार की भाषा है। यह भारत में अधिकाधिक लोगों के द्वारा बोले जाने वाली भाषा

है। हिन्दी भाषा का सर्वाधिक प्रचलन भारत के उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों में मिलता है। भारत के अलावा फिजी देश की राजभाषा हिन्दी है। हिन्दी को देवनागरी लिपि में लिखा जाता है। हिन्दी एवं ऊर्दू समकक्ष भाषाएं हैं। जो उत्तर भारत में मिले–जुले रूप में बोली जाती है।

5. अरेबिक (Arabic)–अरबी प्राचीनतम भाषा है जो मुस्लिम जगत में बोली जाती है। अफ्रोऐशियाटिक भाषा परिवार से सम्बन्धित इस भाषा को मुस्लिमों के पवित्र ग्रन्थ कुरान की भाषा माना जाता है। एशिया महाद्वीप के दक्षिणी–पश्चिमी भाग में स्थित समस्त मुस्लिम देशों तथा अनेक अफ्रीकन देशों में अरबी भाषा अधिकतर बोली जाती है। विश्व के कुल 28 देशों में अरबी भाषा को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। सऊदी अरब, ईराक, यमन, सिरिया, जोर्डन, लेबनान, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान नामक ऐशियाई देशों में तथा आल्जीरिया, मिश्र, लीविया, माली, मोरक्को, भारीटेनिया, नाइजर, सोमालिया, इण्डोनेशिया, मलेशिया पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान, तुर्की इजाराइल तथा भारत में अरबी भाषा वाले लोग रहते हैं। अरबी भाषा में अन्य भाषाओं का प्रभाव भी देखने को मिलता है।

6. पुर्तगीज (Portuguese)–इण्डो–यूरोपियन परिवार से सम्बन्धित पुर्तगीज मूल रूप से पुर्तगाल देश की भाषा है लेकिन पुर्तगीज शासकों द्वारा विश्व के अनेक देशों में उपनिवेश स्थापित किये जाने के कारण पुर्तगीज भाषा का विस्तार दक्षिणी अमेरिका तथा अफ्रीकी महाद्वीप के कुछ देशों तक फैल गया।

वर्तमान में जिन देशों में पुर्तगीज भाषा प्रमुख रूप से बोली जाती है। उनमें पुर्तगाल, ब्राजील, वेनेजुएला, मोजाम्बिक, अंगोला, बसाऊ, मकाऊ, ईस्ट तिमोर इक्वेटोरिया गिनी आदि देश हैं। कुल 21 करोड़, लोगों द्वारा बोली जाने वाली पुर्तगीज भाषा में लगभग 15 करोड़ लोग ब्राजील देश में ब्राजिलियन पुर्तगीज भाषा बोलते हैं। भारत में एकमात्र राज्य गोवा में भी पुर्तगीज भाषा बोली जाती है।

7. बंगाली (Bengali)–इण्डो यूरोपियन भाषा परिवार में बंगाली भाषा भारत एवं बांग्लादेश में बोली जाती है। भारत में हिन्दी भाषा के बाद बंगाली बोलने वालो की संख्या सर्वाधिक है। यह भारत के पूर्वी भाग, पश्चिमी बंगाल त्रिपुरा एवं असम में भी बोली जाने वाली राजभाषा है। बाग्लादेश में बंगाली राष्ट्रभाषा के रूप में जानी जाती है।

8. पंजाबी (Punjabi)–पंजाबी भाषा प्रमुख रूप से भारत के पंजाब प्रान्त तथा पाकिस्तान में बोली जाती है। गुरूमुखी लिपि में लिखी जाने वाली यह इण्डो आर्यन भाषा है। इण्डो–यूरोपियन भाषा परिवार की यह भारत में हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलावा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त के कुछ भागों में बोली जाती है। इसके अलावा ब्रिटेन में यह दूसरी भाषा एवं कनाडा में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।

9. रसियन (Russion)–इण्डो–यूरोपियन भाषा परिवार से सम्बन्धित यह भाषा प्रमुख रूप से रूस तथा पूर्व सोवियत राज्यों में बोली जाने वाली प्रमुख भाषा है। यह वेलारूस, कजाखिस्तान, किरिगिजस्तान, तजाकिस्तान तथा मोलडोवा राष्ट्र प्रमुख हैं। इसके अलावा रोमानिया फिनलैण्ड एवं यूक्रेन के कुछ राज्यों में भी बोली जाती है।

10. जापानी (Japanese)–जापानी भाषा जापान की राष्ट्रीय भाषा है। यह पूरे जापान में प्रमुखता से बोली जाती है।

सारणी : विश्व की प्रमुख बोली जाने वाली भाषाएं

भाषा	परिवार	प्रयुक्त लिपि	बोलने वालों की संख्या (करोड़ में) लगभग	प्रमुख देश
1. मंडारिन	सिनो–तिब्बतियन	चायनीज करैक्टर	12.0	चीन, ताइवान, मलेशिया,
2. स्पेनिश	इण्डो–यूरोपियन	लेटिन	41.4	स्पेन, लेटिन अमेरिकन देश
3. अंग्रेजी	इण्डो–यूरोपियन	लेटिन	33.5	स्पेन, लेटिन अमेरिका कनाडा ब्रिटेन , आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड
4. हिंदी	इण्डो–यूरोपियन	देवनागरी	31.0	उत्तरी एवं माध्य भारत
5. अरेबिक	अफ्रो ऐशियाटिक	अरेबिक	29.5	पूर्वी एवं उत्तरी अफ्रीका
6. पुर्तगीज	इण्डो–यूरोपियन	लेटिन	21.5	पुर्तगाल, ब्राजील अंगोला, मोजाम्बिक
7. बंगाली	इण्डो–यूरोपियन	बंगाली	20.5	भारत एवं बाग्ला देश
8. रसियन	इण्डो–यूरोपियन	साइरिलिक	1.67	रूस एवं मध्य ऐशिया
9. जापानीज	आल्टिक	चायनीज करैक्टर जापानीज एल्फाबेट्स	1.25	जापान
10. पंजाबी	इण्डो–यूरोपियन	गुरूमुखी	1.02	भारत एवं पाकिस्तान
11. मलय	लेटिन	मलायो	1.0	इण्डोनेशिया, सिंगापुर, मलेशिया
12. फ्रेन्च	इण्डो–यूरोपियन	लेटिन	1.0	फ्रांस, कनाडा, प. अफ्रीका, मध्य अफ्रीका
13. फारसी (पर्सियन)	इण्डो–यूरोपियन	नास्टलिक	1.0	ईरान, अफगानिस्तान मध्य ऐशिया
14. ऊर्दू	इण्डो–यूरो.	नास्टलिक	0.9	पाकिस्तान एवं भारत

अतः मूल भाषा से पीढ़ी दर पीढ़ी अनेक भाषाएं एवं बोलियाँ उत्पन्न होती हैं, जिन्हें सम्मिलित रूप से भाषा परिवार कहा जाता है। एक भाषा परिवार में सम्मिलित विभिन्न भाषाओं में लय, शब्द एवं अर्थतत्व की समान्ता मिलती है। यद्यपि इन सभी भाषाओं में अनेक जटिलताएं देखने को मिलती हैं। वस्तुतः एक भाषा परिवार में ऐसी भाषाओं का समूह होता है जो आनुवंशिक रूप से एक–दूसरे के सम्बन्धित रूप में देखी जाती है।

स्रोतः ह्यूमन ज्योग्रॉफी–डॉ. एच.एस.गर्ग, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा (पृष्ठ–46 से 55 तक)